Astro-Vision SoulMate Report

युवति :Sample1
नक्षत्र :उ.भाद्रपद
जन्म दिनांक : 04 Jul, 1991 08:30 pm
रेखांश : 78:6 अक्षांश : 9:31

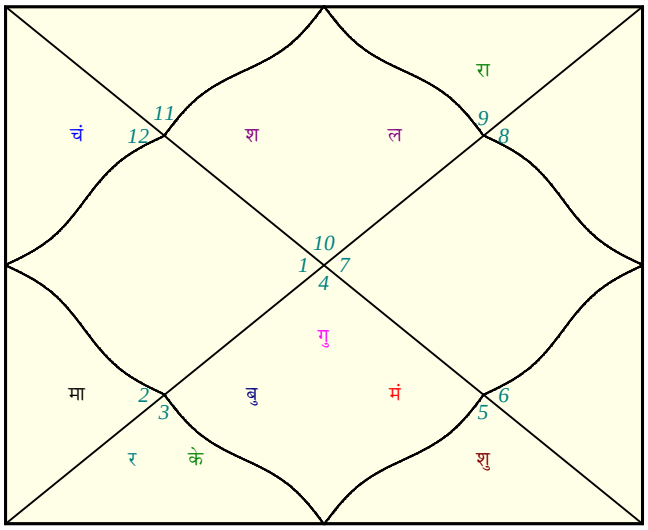

युवक : Sample
नक्षत्र :मघा
जन्म दिनांक : 14 Feb, 1987 06:30 am
रेखांश : 78:36 अक्षांश : 9:33

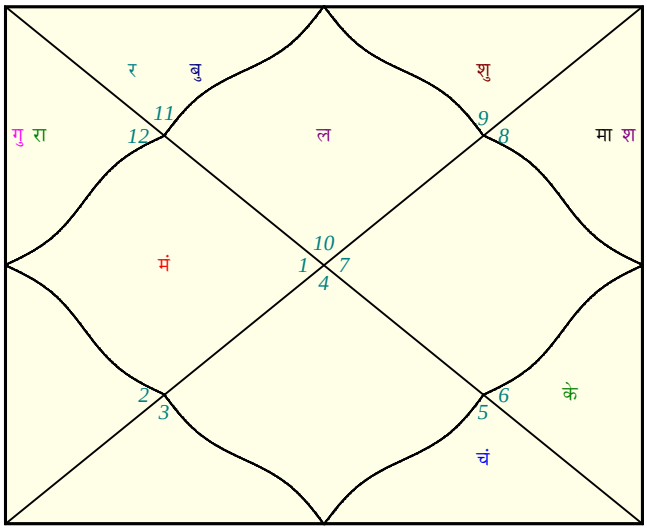

जन्म नक्षत्रों का ताल-मेल।

कूट्र मिलन की पध्दति प्रयुक्त किया गया है।

कूट्र का नाम	मिली गयी अंख	अधिकतम अंख
वर्ण	0	1
वश्य	0	2
तारा	1	3
योनि	2	4
ग्रहमैत्री	5	5
गण	1	6
भकूट्र	0	7
नाडी	8	8
संम्पूर्ण	17	36

जन्मनक्षत्र में किसी भी प्रकार का ताल-मेल दिखाई नहीं देता है। (अधमम)
नक्षत्र ताल-मेल की गणना' 47%

अन्य कारक

महेन्द्र कूट्ट	असंतृप्त
स्त्री दीर्घ कूट्ट	संतोषजनक
रज्जू दोष	दोष मुक्त
वेध दोष	दोष मुक्त

मंगल दोष विवरण

जन्मपत्रिका में मंगल का प्रभाव महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वैवाहिक जीवन में, जीवनसाथिओं के बीच का ताल-मेल मंगल के प्रभाव से बना रहता है। साधारण, एक खास प्रकार की मान्यता प्रचलित है कि जन्मकुडंली में जब मंगल सातवें या आठवें स्थान पर रहता है तो अमंगल का कारण बनता है। अनेक ग्रंथों में शास्त्रोक्त विवरणों से पता चलता है कि अनेक कारणों को लेकर मंगल के अशुभ प्रभाव से मुक्त रहा जा सकता हैं। इसका संक्षिप्त विवरण यहाँ दिया गया है।

मंगल के शुभ-अशुभ प्रभाव, लग्न स्थान की अपेक्षा से गणना की जाती है।

लडकी की मंगल सातवाँ भाव में है। : तीव्र बुरि असर
मंगल, गुरु के सहयोग में रहा है और मंगल के अशुभ प्रभाव को नष्ट करता है।
लडके का मंगल चौथा भाव में है। : अंशिक प्रभाव प्रकट करनेवाला है।
इस जन्मपत्रिका में मंगल बलवंत रहा है और रुचकयोग के कारण मंगल अशुभ प्रभाव से मुक्त रहा है।

मंगलदोष की समतुलना संतोषजनक रही है।

चंन्द्र की अपेक्षा मंगलदोष की तुलना।

लडकी की मंगल पाँचवां भाव में है। : दोष मुक्त

लडके का मंगल नवमा भाव में है। : दोष मुक्त

मंगलदोष की समतुलना संतोषजनक रही है।

शुक्र की उपस्थिति से मंगल दोष की तुलना।

लडकी की मंगल बारहवाँ भाव में है। : अंशिक प्रभाव प्रकट करनेवाला है।
मंगल, गुरु के सहयोग में रहा है और मंगल के अशुभ प्रभाव को नष्ट करता है।
लडके का मंगल पाँचवां भाव में है। : दोष मुक्त

मंगलदोष की समतुलना संतोषजनक रही है।

मंगलदोष की संक्षिप्त जानकारी।

अवलंबित	फल
लग्नस्थान	संतोषजनक रहा है।
चन्द्रस्थान	संतोषजनक रहा है।
शुक्रस्थान	संतोषजनक रहा है।

लग्नस्थान, चन्द्र और शुक्र की अपेक्षा, इन जन्मपत्रिकाओं में मंगलदोषमुक्त दिखाई देती है। इस कारण इन दोनों जन्मपत्रिकाओं के तालमेल श्रेष्ठ मानना चाहिऐं।

पाप साम्यता

बुध, शनि, राहू, केतु और सूर्य लग्नस्थान की अपेक्षा से और चंन्द्र तथा शुक्र के स्थान की अपेक्षा से गुण-दोष फलों का समीकरण किया गया है।

पाप साम्यता फलों से संपूर्ण मुक्त स्थिति।

दशा सन्धी की जाँच।

कन्या की जन्म तिथि। 4/7/1991

जन्म के वक्त दशा की समतुलना शनि 6 साल, 0 महीना, 22 दिन.
बुध दशा की समाप्ती 25/07/2014

केतु दशा की समाप्ती 25/07/2021

लडके का जन्म तिथि 14/2/1987

जन्म के वक्त दशा की समतुलना केतु 5 साल, 5 महीना, 0 दिन.
रवि दशा की समाप्ती 15/07/2018

महत्वपूर्ण दशा सन्धी इस जन्म पत्रिका में नहीं दिखाई देती है। यह एक श्रेष्ट संकेत है।

संक्षिप्त और सिफारिश।

जाँच	फल	टिप्पणी
जन्म नक्षत्रों का ताल-मेल।	**सहयोग का अभाव।**	कूट मिलन की पध्दति प्रयुक्त किया गया है।
मंगल दोष विवरण	**संतोषजनक**	
पाप साम्यता	**उत्तम**	
दशा सन्धी की जाँच।	**संतोषजनक**	

इन जन्मपत्रिकाओं में ताल मेल नहीं हो सकता

DISCLAIMER:

Although broadly based on Indian Predictive Astrology, we request you to consider this report as an independent work of Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd.ASTRO-VISION astrological calculations are based on scientific equations and not on any specific published almanac. Therefore, comparisons between the calculations made by ASTRO-VISION and those published in almanacs are absolutely unwarranted.Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. shall not entertain any dispute on differences arising out of such comparisons. Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. cannot be held responsible for the decisions that may be taken by anyone based on this report.While we ensure that each report is prepared meticulously and with utmost care, we do not rule out the possibility of any unexpected errors. In case of any errors our liability is limited to the replacement of the report with a rectified one. The software versions and the predictive text in the reports are subject to continuous modifications, including addition of new chapters. This is necessitated by the nature of the content and our constantly evolving research findings. We have adopted "Chitrapaksha ayanamsa" for all our calculations as it is the most popular and widely used ayanamsa system in India. The astrological calculations and predictions may differ in case a different ayanamsa is used. There are minor variations in the systems and practices followed by different regions of India and we have accommodated some of these variations in the regional language versions. As a result, the reports generated in different languages may not be exact translations. Also, all the language versions are not updated simultaneously.